भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1024

जिसका उत्तर 27 जून, 2019 को दिया जाना है।

.....

यमुना नदी की सफाई

1024. श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा:

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली में पूरे वर्ष जलापूर्ति के लिए यमुना नदी का पानी पर्याप्त है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार का यमुना नदी को किसी रिवर लिंकिंग परियोजना में शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा विगत पांच वर्षों के दौरान यमुना नदी को साफ करने तथा इसकी स्थिति में सुधार करने और औद्योगिक और अन्य जहरीले कचरे को इसमें गिरने से रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

जल शक्ति और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री (श्री रतन लाल कटारिया)

(क) दिल्ली के लिए जल आपूर्ति यमुना, गंगा, रावी-व्यास और भूमि जल से जल लेकर की जाती है।

(ख) जी, हां। जल संसाधन विकास के लिए राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के हिमालयी घटक के अंतर्गत राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण (एनडब्ल्यूडीए) द्वारा यमुना नदी से संबंधित शारदा-यमुना और घाघरा-यमुना संपर्क परियोजनाओं की पहचान की गई है एनडब्ल्यूडीए द्वारा इन दो संपर्क परियोजनाओं की पूर्व-साध्यता रिपोर्टें तैयार की गई है और संबंधित राज्यों को परिचालित की गयी हैं। शारदा-यमुना और घाघरा-यमुना लिंक परियोजनाओं के भारतीय पक्ष की ड्राफ्ट साध्यता रिपोर्ट भी पूरी कर ली गई है। तथापि, संपर्क के माध्यम से जल की मात्रा की जानकारी नेपाल में पंचेश्वर परियोजना की डीपीआर को अंतिम रूप दिए जाने के पश्चात ही प्राप्त हो सकती है और अन्य बातों के साथ-साथ, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में यमुना नदी प्रतिप्रवाह में संवर्धन भी होगा।

(ग) नदियों की सफाई एक सतत प्रक्रिया है और भारत सरकार यमुना कार्य योजना (वाईएपी) के अंतर्गत वर्ष 1993 से चरणबद्ध रूप में हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के विभिन्न राज्यों को वित्तीय सहायता के द्वारा यमुना नदी, गंगा नदी की सहायक नदी के प्रदूषण स्तर में वृद्धि की जांच के लिए राज्य सरकारों के प्रयासों को सहयोग करती है। वर्तमान में, भारत सरकार/राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के द्वारा यमुना नदी की सफाई के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश में 4598 करोड़ रूपए की लागत से 25 परियोजनाओं की स्वीकृति दी गई है। इसके अतिरिक्त, यमुना नदी की सफाई के लिए निम्नलिखित प्रयास भी किए गए हैं:

(i) नदी तल से फ्लोटिंग ट्रैश को हटाने के लिए मथुरा एवं दिल्ली में ट्रैश स्कीमर की तैनाती करना।

(ii) मथुरा और प्रयागराज के लिए घाटों की नियमित सफाई के लिए एक परियोजना को स्वीकृति दी गई है।

*****